

दिनांक: 26 अगस्त 2023

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (NCF)

इस लेख में "दैनिक वर्तमान मामले" और विषय विवरण "राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (एनसीएफ)" शामिल है। "राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (एनसीएफ)" विषय यूपीएससी सीएसई परीक्षा के शासन अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रीलिम्स के लिए:

- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या संरचना (NCF) के बारे में?

मुख्य परीक्षा के लिए:

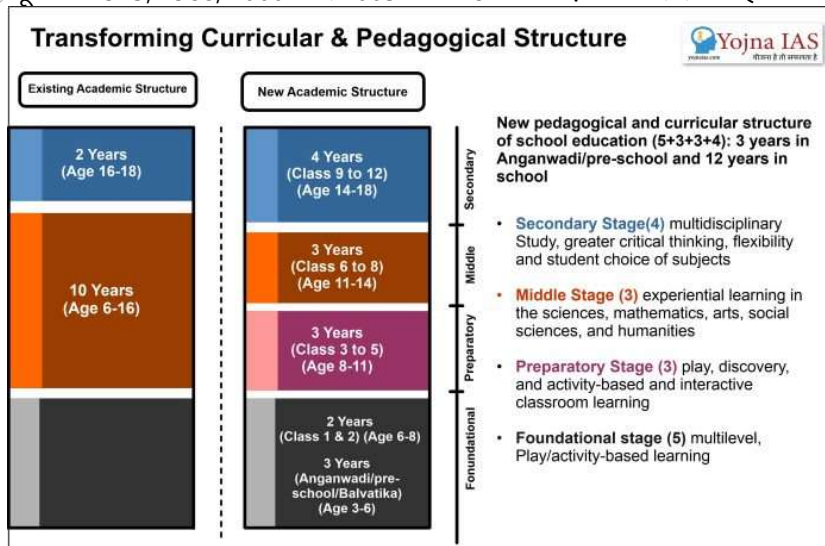
- जीएस 2: शासन
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे (NCF) के मुख्य पहलू?

सुर्खियों में क्यों:

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने हाल ही में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे (एनसीएफ) के अंतिम संस्करण का अनावरण किया है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार शैक्षिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- सीबीएसई के तहत, एनसीएफ ग्रेड 3 से 12 तक के शैक्षिक परिदृश्य को नया आकार देते हुए भाषा निर्देश, विषय संगठन, मूल्यांकन तकनीक और पर्यावरण शिक्षा में बदलाव लाता है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे (एनसीएफ) के बारे में:

- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे, नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 के प्रमुख घटकों में से एक है, यह निहित उद्देश्यों, सिद्धांतों और दृष्टिकोण की सहायता से इस परिवर्तन को सक्षम बनाता है और इसे सक्रिय करता है।
- एनसीएफ का यह पूर्व वर्ष 1975, 1988, 2000 और 2005 में अपडेट के बाद पांचवां संशोधन है।



राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (NCF)

उद्देश्य:

- एनसीएफ का प्राथमिक लक्ष्य एनईपी 2020 की परिवर्तनकारी दृष्टि के साथ संरेखित करते हुए पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र में सकारात्मक परिवर्तन की सुविधा प्रदान करना है।
- यह भारतीय संविधान में निहित समानता, समावेशिता और बहुलवाद के आदर्शों के अनुरूप सभी छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करता है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे (एनसीएफ) के प्रमुख पहलू:

भाषा सीखना:

- कक्षा 9 और 10 के छात्र अब तीन भाषाओं का अध्ययन करेंगे, जिनमें से कम से कम दो मूल भारतीय भाषाएं होनी चाहिए।
- कक्षा 11 और 12 के लिए, पाठ्यक्रम में दो भाषाओं का अध्ययन शामिल है, जिनमें से एक भारतीय मूल का होना चाहिए।
- प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्र कम से कम एक भारतीय भाषा में भाषाई दक्षता का "साहित्यिक स्तर" प्राप्त करें।

बोर्ड परीक्षा और मूल्यांकन:

- एक उल्लेखनीय परिवर्तन बोर्ड परीक्षाओं की आवृत्ति से संबंधित है, जहां छात्रों को एक ही स्कूल वर्ष के भीतर कम से कम दो बार इन परीक्षाओं के लिए उपस्थित होने का अवसर मिलेगा।
- इन कई प्रयासों में से, केवल उच्चतम स्कोर को बनाए रखा जाएगा, जिससे अधिक आराम से परीक्षा के माहौल को बढ़ावा मिलेगा।

एनईपी 2020 के साथ संरेखण:

- एनसीएफ एनईपी 2020 के दिशानिर्देशों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है और सीबीएसई के तहत ग्रेड 3 से 12 के लिए नई पाठ्यपुस्तकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- कक्षा 3-12 के लिए पाठ्यक्रम सामग्री 21 वीं सदी की मांगों को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गई है।
- वर्तमान के साथ संबंध की भावना का पोषण करते हुए, एनसीएफ अग्रगामी दृष्टिकोण को भी प्रोत्साहित करता है।

अनिवार्य और वैकल्पिक विषयों में बदलाव:

- अनिवार्य विषयों की संरचना में बदलाव आया है। कक्षा 9 और 10 के लिए, छात्रों को अब सात अनिवार्य विषयों का अध्ययन करना आवश्यक है, जबकि कक्षा 11 और 12 के लिए, यह संख्या छह है। यह पिछले मॉडल से वृद्धि को चिह्नित करता है जहां छात्रों के पास पांच अनिवार्य विषय थे और एक अतिरिक्त चुनने का विकल्प था।

वैकल्पिक विषय:-

वैकल्पिक विषयों की अवधारणा को तीन समूहों में संशोधित और वर्गीकृत किया गया है:

- समूह एक: इसमें कला शिक्षा, शारीरिक शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा शामिल है।
- समूह दो: इसमें सामाजिक विज्ञान, मानविकी और अंतःविषय क्षेत्रों जैसे विषय शामिल हैं।
- समूह तीन: प्रमाणन के लिये, छात्रों को मानविकी, गणित और कंप्यूटिंग, शामिल है।

छात्रों के लिए लचीलापन और विकल्प:-

- "माध्यमिक चरण" के पुनः डिजाइन का उद्देश्य छात्रों को अधिक लचीला और अनुकूलन योग्य शैक्षणिक यात्रा प्रदान करना है।
- यह नया दृष्टिकोण अकादमिक और व्यावसायिक विषयों के साथ-साथ विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला और शारीरिक शिक्षा जैसे विभिन्न शैक्षणिक धाराओं के बीच कठोर सीमाओं को भंग करता है।
- इस परिवर्तन के साथ, छात्रों को अपने स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र के लिए विभिन्न विषय संयोजनों का चयन करने की स्वतंत्रता प्राप्त होती है।

पर्यावरण शिक्षा:-

- पर्यावरणीय चेतना पैदा करने और स्थिरता का पोषण करने पर विशेष जोर दिया जाता है।
- पर्यावरण शिक्षा अब स्कूली शिक्षा के सभी चरणों में मूल रूप से एकीकृत है।
- इसके अतिरिक्त, माध्यमिक चरण के दौरान पर्यावरण शिक्षा के लिए समर्पित अध्ययन का एक अलग क्षेत्र पेश किया जाता है।

सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम (कक्षा 6-8) के लिए सामग्री का वितरण:-

कक्षा 6 से 8 के लिए सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम सामग्री वितरण के लिए एक नया दृष्टिकोण देखता है, जिसमें निम्नलिखित ब्रेकडाउन हैं:

- 20% सामग्री स्थानीय स्तर से प्राप्त की जाती है।
- 30% सामग्री क्षेत्रीय स्तर से तैयार की जाती है।
- 30% सामग्री राष्ट्रीय स्तर को दर्शाती है।
- शेष 20% में वैश्विक दृष्टिकोण शामिल हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्या है?

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) भारत में शिक्षा सुधार के लिए एक व्यापक रूपरेखा है जिसे 2020 में मंजूरी दी गई थी और इसका उद्देश्य शिक्षा के लिए समग्र और बहु-विषयक दृष्टिकोण प्रदान करके भारत की शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव लाना है।

एनईपी 2020 की मुख्य विशेषताएं:-

- **सार्वभौमिक शिक्षा:** एनईपी 2020 का उद्देश्य विभिन्न आयु समूहों में शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना है, जिसमें पूर्वस्कूली से माध्यमिक स्तर तक की अवधि शामिल है। यह समावेशी दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करने की दिशा में है कि शिक्षा सभी के लिए सुलभ हो।
- **संशोधित शैक्षणिक और पाठ्यचर्या संरचना:** एक नया शैक्षणिक और पाठ्यचर्या ढांचा पेश किया गया है, जो छात्रों के संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक विकास में निहित है। परिप्रेक्ष्य में यह बदलाव एक अधिक व्यापक और प्रासंगिक शैक्षिक अनुभव बनाना चाहता है।
- **मूलभूत कौशल:** नीति प्राथमिक शिक्षा के वर्षों के दौरान मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल को बढ़ावा देने पर जोर देती है। इसका उद्देश्य छात्रों को एक मजबूत शैक्षिक आधार प्रदान करना है जिस पर वे आगे के ज्ञान और कौशल का निर्माण कर सकते हैं।
- **अनुसंधान और विकास फोकस:** एनईपी 2020 शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है। यह पहल अच्छी तरह से सूचित रणनीतियों और प्रथाओं के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को आगे बढ़ाने की दिशा में है।

स्रोत:

<https://www.thehindu.com/education/schools/board-exams-twice-a-year-class-11-12-students-to-study-2-languages-moes-new-curriculum-framework/article67226492.ece>

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या संरचना (एनसीएफ) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. एनसीएफ में पांच संशोधन किए गए हैं, जिनमें से सबसे हालिया 2005 में हुआ था।
2. एनसीएफ का प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र में सकारात्मक बदलाव लाना है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

प्रश्न-02 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या संरचना (एनसीएफ) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. एनसीएफ छात्रों को कक्षा 9 और 10 में कम से कम दो मूल भारतीय भाषाओं का अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
2. एनसीएफ सभी स्कूली शिक्षा चरणों में पर्यावरण शिक्षा और स्थिरता पर जोर देता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (एनसीएफ) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भारत के शैक्षिक परिदृश्य के महत्वपूर्ण घटक हैं, जो परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। चर्चा कीजिए।

TAGS:

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा (एनसीएफ)

सी. आर. राव

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "सीआर राव" शामिल हैं। संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के "विज्ञान और प्रौद्योगिकी" खंड में "सीआर राव" विषय की प्रासंगिकता है।

प्रीलिम्स के लिए:-

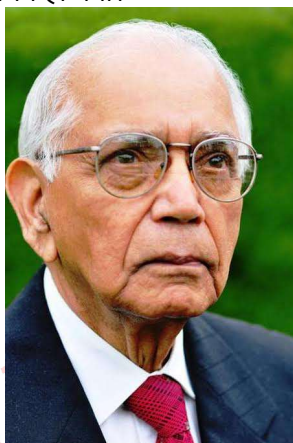
- कौन हैं सीआर राव?
- उनके महत्वपूर्ण कार्य क्या हैं?

मुख्य परीक्षा के लिए:-

- सामान्य अध्ययन-03: विज्ञान और प्रौद्योगिकी।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धि।

सुर्खियों में क्यों?

- भारत के प्रसिद्ध गणितज्ञ और सांख्यिकीविद् सी. आर. राव (कल्यम्पुडी राधाकृष्ण राव) 23 अगस्त को अपने 103वें जन्मदिन से कुछ हफ्ते पहले, संयुक्त राज्य अमेरिका में निधन हो गया।



सी. आर. राव

कौन हैं सीआर राव?

- वह प्रसिद्ध व्यक्ति जिसने पहले भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) का निदेशक पद संभाला था, जिसे उसके साथी और छात्र डॉ. राव के नाम से संबोधित करते थे, ने इस वर्ष की शुरुआत में ध्यान आकर्षित किया जब उन्हें सांख्यिकी में 2023 के अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस पुरस्कार को सांख्यिकी के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार के समान माना जाता है।
- सी आर राव एक सम्मानित भारतीय-अमेरिकी गणितज्ञ और सांख्यिकीविद् हैं जिनकी उपलब्धियों को व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।
- वह पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर एमेरिटस का पद धारण करते हैं साथ ही बफ़ेलो विश्वविद्यालय में एक शोध प्रोफेसर के रूप में कार्य करते हैं। राव को उनके योगदान के लिए कई सम्मान, मानद उपाधि और फेस्टस्क्रिप्ट्स सहित कई पुरस्कार दिए गए हैं। गौरतलब है कि 2002 में उन्हें यूएस नेशनल मेडल ऑफ साइंस मिला था।
- अमेरिकन स्टैटिस्टिकल एसोसिएशन के अनुसार, उनका गहरा प्रभाव अर्थशास्त्र, आनुवंशिकी, मानव विज्ञान और चिकित्सा सहित विभिन्न क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जो उन्हें "जीवित किंवदंती" के रूप में वर्णित करता है।
- सी. आर. राव को टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा के शीर्ष 10 भारतीय वैज्ञानिकों में से एक के रूप में मान्यता दी गई है, जो भारत के अग्रणी वैज्ञानिकों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को प्रदर्शित करता है।

सी. आर. राव का मौलिक अनुसंधान-

- सीआर राव का मौलिक शोध पत्र "सांख्यिकीय मापदंडों के अनुमान में सूचना और सटीकता प्राप्त करना" 1945 में कलकत्ता गणितीय सोसायटी के बुलेटिन में प्रकाशित हुआ था।
- तब से, यह धारणा गणितीय सांख्यिकी सिद्धांत और अतिरिक्त शोध के लिए एक मानक के रूप में विकसित हुई है। जिसने आधुनिक सांख्यिकी की नींव रखी और सांख्यिकीय उपकरण बनाए जो आज विज्ञान में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं।

राव के 1945 के पेपर में उनके शोध के प्रमुख योगदान तीन महत्वपूर्ण परिणाम देते हैं:-

क्रैमर-राव लोअर बाउंड:-

- पहली सफलता, जिसे अब क्रैमर-राव लोअर बाउंड के रूप में मान्यता प्राप्त है, उस बिंदु को निर्धारित करने का एक तरीका प्रदान करती है जिस पर किसी मात्रा के लिए एक अनुमान विधि किसी भी संभावित विधि के रूप में अच्छी हो जाती है।

राव-ब्लैकवेल प्रमेय-

- दूसरी खोज, जिसका नाम राव-ब्लैकवेल प्रमेय है (इसकी स्वतंत्र खोज के कारण प्रमुख सांख्यिकीविद् डेविड ब्लैकवेल को श्रेय दिया जाता है), एक अनुमान को बेहतर, या अधिक सटीक रूप से, एक इष्टतम में बढ़ाने की एक विधि प्रदान करता है।
- साथ में, ये खोजें सांख्यिकी के क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण हिस्से की नींव रखती हैं।

सूचना ज्यामिति-

- यह एक नए अंतःविषयक क्षेत्र के रूप में विकसित हुआ जो अंततः "सूचना ज्यामिति" के रूप में स्थापित हुआ। ये संयुक्त निष्कर्ष शोधकर्ताओं को डेटा से प्रभावी ढंग से जानकारी निकालने के लिए सशक्त बनाते हैं।

काम का प्रभाव-

- राव-ब्लैकवेल प्रक्रिया में कम्प्यूटेशनल अर्थमिति, कण फिल्टरिंग और स्टीरियोलॉजी सहित कई क्षेत्रों में अनुप्रयोग हैं।
 - साथ ही, क्रैमर-राव निचली सीमा का महत्व क्वांटम भौतिकी, मल्टीपल इमेज रेडियोग्राफी, स्पेक्ट्रोस्कोपी, रडार सिस्टम, जोखिम विश्लेषण और सिग्नल प्रोसेसिंग सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला तक फैला हुआ है।
 - सूचना ज्यामिति के व्यावहारिक उपयोग ने हिम्स बोसोन के क्षेत्र में प्रसिद्ध लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर में माप की समझ और अनुकूलन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
 - इसके अतिरिक्त, इस प्रतिमान का उपयोग रडार और एंटेना जैसे अत्याधुनिक अनुसंधान क्षेत्रों में भी पाया गया है। सिग्नल प्रोसेसिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान, आकार वर्गीकरण और छवि विभाजन के विकास पर भी इसका बड़ा प्रभाव पड़ा है।
- सी आर राव के असाधारण योगदान ने सांख्यिकी के क्षेत्र में एक अमिट छाप छोड़ी है, और प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के साथ उनकी मान्यता उनकी उल्लेखनीय विरासत को और रेखांकित करती है।

सांख्यिकी में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के बारे में-

- सांख्यिकी में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार पांच प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठनों के बीच सहयोग के माध्यम से दिया जाने वाला एक द्विवार्षिक पुरस्कार है।
- यह पुरस्कार किसी व्यक्ति या टीम द्वारा की गई उल्लेखनीय सांख्यिकी संबंधी उपलब्धियों को मान्यता देता है। यह विशेष रूप से उन व्यक्तियों का सम्मान करता है जिनके रचनात्मक विचारों के परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी अनुप्रयोग और अभूतपूर्व विकास हुए हैं।
- नोबेल पुरस्कार, एबेल पुरस्कार, फील्ड्स मेडल और ट्यूरिंग अवार्ड की सम्मानित परंपरा का पालन करते हुए, सांख्यिकी में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्रतिष्ठा की स्थिति रखता है।

पिछले पुरस्कार विजेता-

- 2017 में पहला पुरस्कार डेविड आर कॉक्स को कॉक्स आनुपातिक खतरों के मॉडल के निर्माण के लिए दिया गया था। इस मॉडल ने जटिल अध्ययनों में रोगी की जीवित रहने की दर का विश्लेषण करने में मूलभूत परिवर्तन आया है।
- 2019 में, ब्रैडली एफ्रॉन ने बूटस्ट्रैप विधि पर अपने अभूतपूर्व काम के लिए पुरस्कार जीता, एक कम्प्यूटेशनल विधि जो लागू आंकड़ों में अनिश्चितता का कुशलतापूर्वक मूल्यांकन करती है।
- 2021 में, नान लेयर्ड** को विश्वसनीय तकनीक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए मान्यता दी, जिससे जटिल अनुदैर्ध्य अध्ययनों का विश्लेषण करना संभव हो गया।

स्तोत-

दिग्गज सांख्यिकी वैज्ञानिक सीआर राव का निधन इंडिया न्यूज़ - द इंडियन एक्सप्रेस

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01. सी.आर. राव के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-

- हाल ही में, भारत के सर्वश्रेष्ठ सांख्यिकीविदों में से एक, सी आर राव को सांख्यिकी में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 प्राप्त हुआ।
- सांख्यिकी में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार हर दो साल में रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा दिया जाता है।
- सांख्यिकी में पहला अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार डॉ. राव को प्रदान किया गया।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/सही नहीं है/हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 3

(4) उपरोक्त में कोई नहीं।

उत्तर: (B)

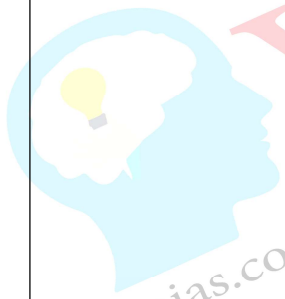
मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-02. गणित और सांख्यिकी के क्षेत्र में डॉ. सी. आर. राव की उल्लेखनीय उपलब्धियों और योगदानों की चर्चा कीजिए। सांख्यिकी में उनकी अग्रणी अंतर्दृष्टि ने विभिन्न क्षेत्रों को कैसे प्रभावित किया है?

TAGS:

UPSC, सी. आर. राव, सी. आर. राव यूपीएससी, [सीआर राव आईएस](#)

Rajiv Pandey



yojniaias.com

Yojna IAS

योजना है तो सफलता है

Filename: yojna daily current affairs hindi med 26 August
Directory: D:\Seema\SEEMA DATA\CURRENT AFFAIRS\2023\Yojna
IAS\Hindi\Daily Current Affairs\August 2023
Template: C:\Users\Plutus
ias\AppData\Roaming\Microsoft\Templates\Normal.dotm
Title:
Subject:
Author: Plutus ias
Keywords:
Comments:
Creation Date: 8/26/2023 6:09:00 PM
Change Number: 2
Last Saved On: 8/26/2023 6:09:00 PM
Last Saved By: Plutus ias
Total Editing Time: 0 Minutes
Last Printed On: 8/26/2023 6:09:00 PM
As of Last Complete Printing
Number of Pages: 6
Number of Words: 2,099 (approx.)
Number of Characters: 11,966 (approx.)